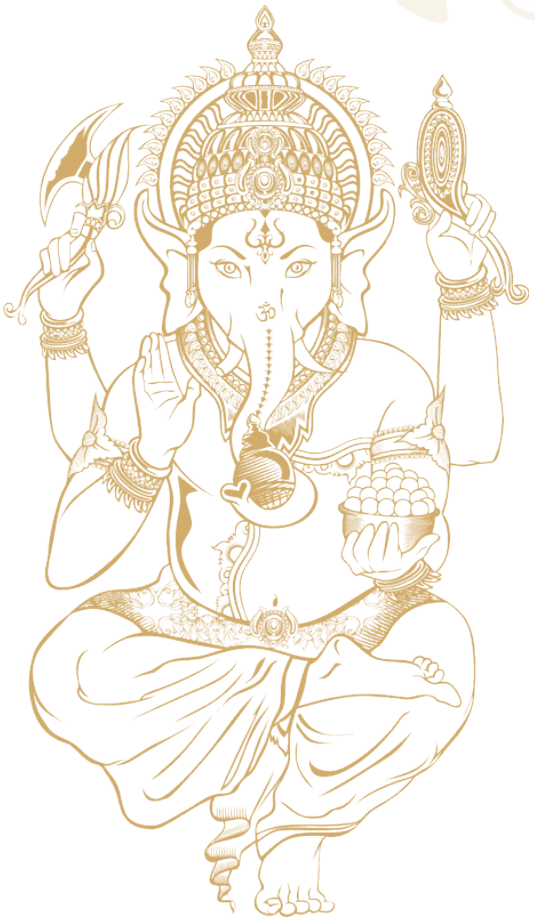

Suraj

Aditi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121301003

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28/01/1998	जन्म तिथि	10/05/2000
बुधवार	दिन	बुधवार
घंटे 17:20:00	जन्म समय	17:45:00 घंटे
घटी 25:08:30	जन्म समय(घटी)	30:26:00 घटी
India	देश	India
Kaithal	स्थान	Meerut
29:47:00 उत्तर	अक्षांश	29:00:00 उत्तर
76:29:00 पूर्व	रेखांश	77:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:04	स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:16:36	सूर्योदय	05:31:06
17:57:40	सूर्यास्त	19:00:31
23:49:45	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:27

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 4वर्ष 1मा 30दि	07:24:42	कर्क	लग्न	तुला	11:01:50	बुध 10वर्ष 0मा 23दि
राहु	14:31:25	मक	सूर्य	मेष	26:16:48	शुक्र
30/03/2009	17:46:41	मक	चंद्र	कर्क	22:06:23	03/06/2017
30/03/2027	08:36:57	कुंभ	मंगल	वृष	10:50:06	03/06/2037
राहु 11/12/2011	28:15:29	धनु	बुध	मेष	27:54:45	शुक्र 03/10/2020
गुरु 06/05/2014	04:31:58	कुंभ	गुरु	मेष	24:34:33	सूर्य 03/10/2021
शनि 12/03/2017	26:04:45	धनु व	शुक्र	मेष	17:42:10	चन्द्र 04/06/2023
बुध 29/09/2019	21:20:46	मीन	शनि	मेष	26:32:30	मंगल 03/08/2024
केतु 16/10/2020	16:57:28	सिंह व	राहु	कर्क	03:13:10	राहु 03/08/2027
शुक्र 17/10/2023	16:57:28	कुंभ व	केतु	मक	03:13:10	गुरु 03/04/2030
सूर्य 10/09/2024	14:51:18	मक	हर्ष	मक	26:52:37	शनि 03/06/2033
चन्द्र 12/03/2026	06:08:50	मक	नेप व	मक	12:42:52	बुध 03/04/2036
मंगल 30/03/2027	13:44:12	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	18:16:00	केतु 03/06/2037

लग्न-चलित

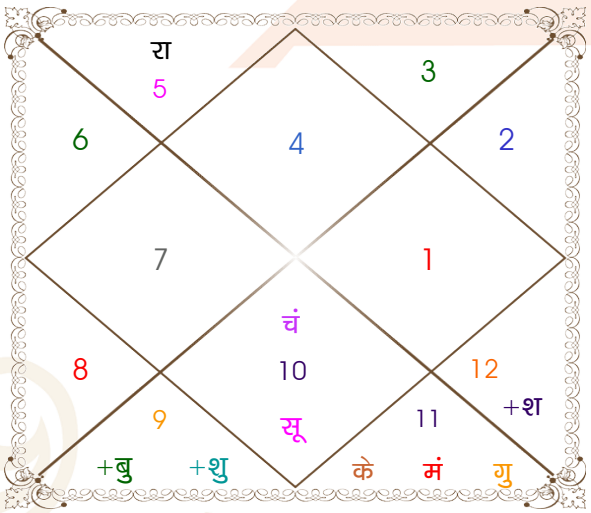

लग्न-चलित

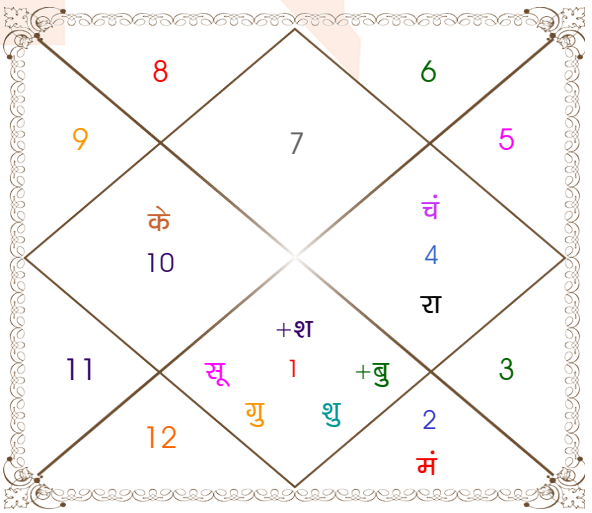

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	14.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Suraj का नक्षत्र श्रवण है।

Suraj का वर्ग मार्जार है तथा Aditi का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Suraj और Aditi का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Suraj मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Suraj कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Suraj कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Aditi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Suraj तथा Aditi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।